(This question paper contains 2 printed pages)

Serial Number of question paper	: **6868**
Unique Paper Code	: 2273100025
Name of the Paper	: History of Economic Thought
Name of the Course	: BA(H)/B.A.(P)/
Semester	: VI/ VIII

Duration: 3 hours **Maximum Marks: 90 Marks**

Answer any five of the following questions. All questions carry equal marks.

1.Explain why the history of economic thought is useful for political economy as a social science in general and in conceptualization and model building in particular.

2.What are the virtues of the division of labour according to Adam Smith. Can it have negative implication too? Explain.

3.“Ricardo focused on the distribution of surplus between rents and profits and its implications for the rhythm of capital accumulation and economic growth.” Discuss in the context of his theory of rent and views on the import of corn in Britain.

4.Did Marx consider surplus as the reward for entrepreneurship or the compensation for risk-taking. Why? How does he, then, explain the generation of surplus value in capitalism?

5.What are the similarities and the differences between the variants of the subjective theory of value put forward by Jevons and Menger.

6.What is Keynes’ ‘principle of effective demand’? Explain in the context of the determination of output and unemployment in a modern economy.

7.Thorstein Veblen shifted “the focus from abstract market theories to real-world institutions, technological change and power structures”. Discuss with reference to his critique of orthodox economics and developments in the American economy.

8.Explain how the investment and consumption decisions of capitalists determine their profits in the Kaleckian model.

9.How has post Keynesian thought influenced the understanding of factors that determine unemployment and output in a modern economy

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. सामान्यतः सामाजिक विज्ञान के रूप में राजनीतिक अर्थशास्त्र और विशेष रूप से अवधारणा निर्माण एवं मॉडल निर्माण में आर्थिक चिंतन का इतिहास क्यों उपयोगी है, यह स्पष्ट कीजिए।

2. एडम स्मिथ के अनुसार श्रम विभाजन के क्या गुण हैं? क्या इसके नकारात्मक निहितार्थ भी हो सकते हैं? स्पष्ट कीजिए।

3. रिकार्डो ने किराए और लाभ के बीच अधिशेष के वितरण और पूंजी संचय एवं आर्थिक विकास की गति पर इसके प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया। उनके किराए के सिद्धांत और ब्रिटेन में अनाज के आयात पर उनके विचारों के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

4. क्या मार्क्स ने अधिशेष को उद्यमशीलता का पुरस्कार माना या जोखिम लेने का प्रतिफल? क्यों? फिर वे पूंजीवाद में अधिशेष मूल्य के सृजन की व्याख्या कैसे करते हैं?

5. जेवन्स और मेंगर द्वारा प्रतिपादित मूल्य के व्यक्तिपरक सिद्धांत के विभिन्न रूपों में क्या समानताएँ और अंतर हैं?

6. कीन्स का 'प्रभावी मांग का सिद्धांत' क्या है? आधुनिक अर्थव्यवस्था में उत्पादन और बेरोजगारी के निर्धारण के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।

7. थोरस्टीन वेबलन ने "अमूर्त बाजार सिद्धांतों से ध्यान हटाकर वास्तविक दुनिया की संस्थाओं, तकनीकी परिवर्तन और शक्ति संरचनाओं पर केंद्रित किया"। रूढ़िवादी अर्थशास्त्र की उनकी आलोचना और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में हुए विकास के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

8. कैलेकियन मॉडल में पूंजीपतियों के निवेश और उपभोग संबंधी निर्णय उनके लाभ को कैसे निर्धारित करते हैं, इसकी व्याख्या कीजिए।

9. उत्तर-कीनेसियन विचार ने आधुनिक अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी और उत्पादन को निर्धारित करने वाले कारकों की समझ को कैसे प्रभावित किया है?

(1000)